समापन भाषण

माननीय सदस्यगण, चतुर्दश बिहार विधान सभा का नवम् सत्र दिनांक २४ जुलाई, २००८ से प्रारम्भ होकर आज दिनांक ३० जुलाई, २००८ को समाप्त हो रहा है। इस सत्र में कुल ५ बैठकें हुई ।

सत्र के प्रथम दिन सभा सचिव ने बिहार विधान सभा में उद्भूत तथा बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों द्वारा यथा पारित तथा सत्रोपरांत महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमत १२ विधेयकों का एक विवरण सभा पटल पर रखा गया । माननीय वित्त मंत्री, श्री सुशील कुमार मोदी द्वारा राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित बिहार मूल्य वर्द्धित कर (संशोधन) अध्यादेश, २००८ की प्रमाणीकृत प्रति सदन पटल पर रखा गया तथा वित्तीय वर्ष २००८-०९ के लिए प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी सदन में उपस्थापित की गयी तदुपरान्त राज्य के कतिपय जन-नायकों के निधन पर सदन में शोक व्यक्त किया गया।

वित्तीय वर्ष २००८-०९ के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी पर सामान्य वाद-विवाद तथा मतदान एवं तत्संबंधी विनियोग विधेयक पर सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई ।

राजकीय विधेयकों में यथा - (१) इन्दिरा गाँधी आयुर्विज्ञान संस्थान (संशोधन) विधेयक,२००८, (२) नगरपालिका प्रकटीकरण विधेयक,२००८, (३) बिहार राज्य मूल्य वर्द्धित कर (संशोधन) विधेयक, २००८ एवं (४) आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, २००८ को सदन ने पारित किया ।

लोक महत्व के विषय पर विमर्श के तहत "बढ़ती महंगाई की मार झेल रही राज्य की चालू योजनाएँ और राज्य की जनता, इनके कुपरिणाम तथा निदान" के संबंध में चर्चा हुई ।

इस सत्र में बिहार विधान सभा की विभिन्न समितियों के प्रतिवेदन सभा पटल पर रखे गये ।

पक्ष एवं विपक्ष के तमाम माननीय सदस्यों का मैं परम आभारी हूँ जिसने सभा के कार्य संचालन में भरपूर सहयोग प्रदान किया । संसदीय परम्परा के अनुरूप मजबूती के साथ सदन संचालन करने में कतिपय माननीय सदस्यों ने सहयोग किया है और बिहार की ९ करोड़ जनता हमलोगों को देख रही है, आप कतिपय सदस्यों के द्वारा जो सहयोग आसन को सदन को चलाने में प्राप्त हो रहा है, विशेष तौर से उसकी ओर बिहार की जनता ध्यान रख रही है ।

..... क्रमशः .....

(क्रमशः)

सत्र के दौरान पत्र प्रतिनिधियों, समाचार एजेंसी, प्रेस मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, आकाशवाणी, दूरदर्शन के सहयोग के लिए मैं उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ ।

सभा के कार्य संचालन में सभा सचिवालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा बिहार सरकार के पदाधिकारियों/कर्मचारियों सहित आरक्षी बल के जवानों ने जिस तत्परता, लग्न और निष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन किया, इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं ।

अब सभा की बैठक अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित की जाती है।